TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

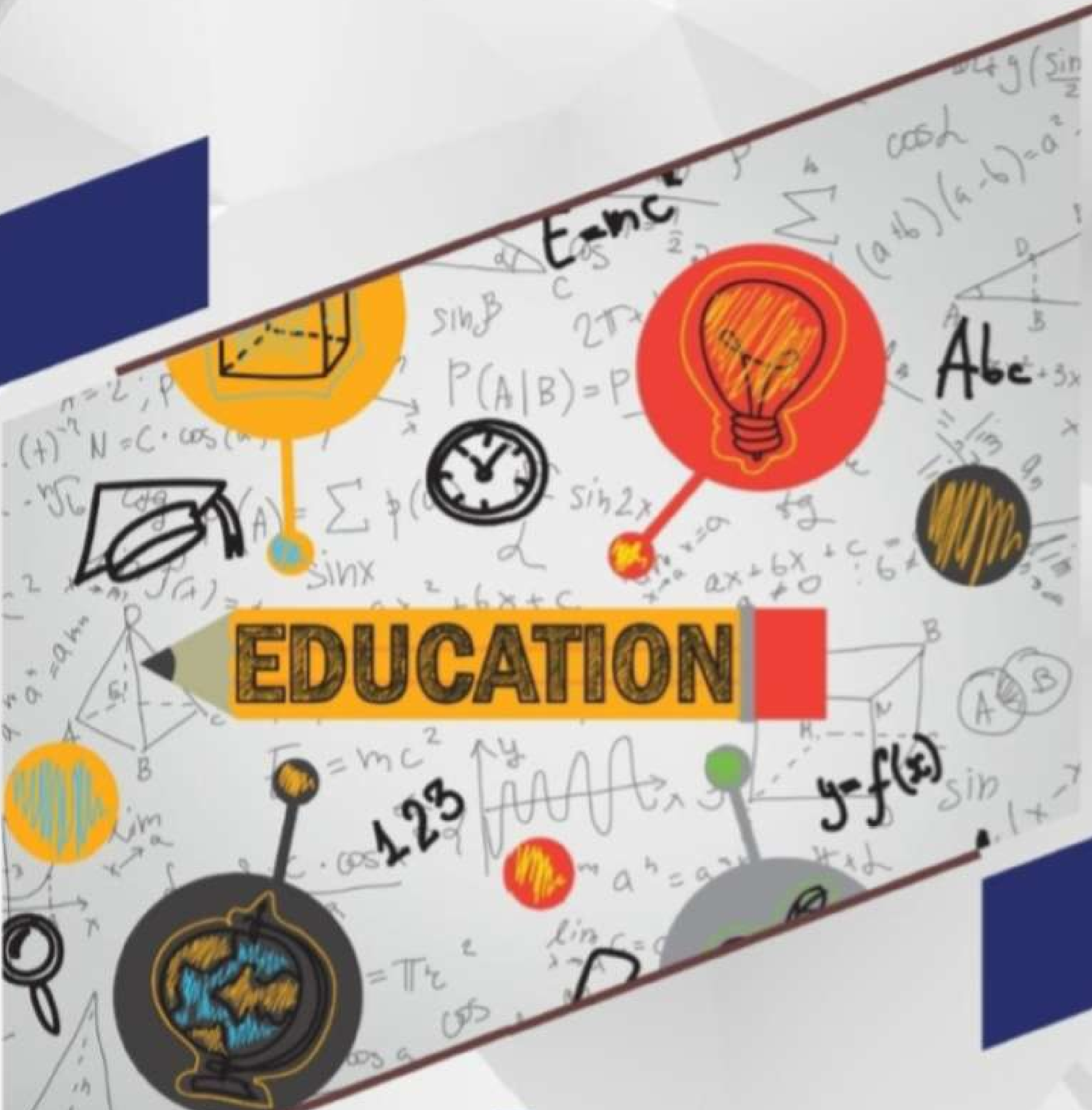

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

11 अगस्त 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

हम महानता के सबसे करीब तब होते हैं

जब हम विनम्रता में महान होते हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

मधु प्रिया

पटना(बिहार)के सात शहीद सपूत 11 अगस्त

आज से 81 वर्ष पहले आज की तारीख में ही बिहार के सात सपूत अंग्रेजों द्वारा गोली मारे जाने से शहीद हो गए थे। ये सभी छात्र थे और 1942 में अगस्त क्रांति के दौरान 11 अगस्त को दो बजे दिन में पटना के सचिवालय पर झंडा फहराने निकले थे। पटना के उस समय के जिलाधिकारी डब्ल्यू जी आर्थर के आदेश पर पुलिस ने गोलियां चलाई थीं। इसमें लगभग 13 से 14 राउंड गोलियों की बौछार हुई थी। ये सात सपूत थे उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेन्द्र सिंह और राम गोविंद सिंह।इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे देवीपद चौधरी। देवी पद चौधरी की उम्र 14 साल की थी। वे सिलहट के जमालपुर गांव के रहने वाले थे। वे जब सचिवालय की ओर अपने छह साथियों के साथ बढ़ रहे थे तो पुलिस ने उन्हें रोकना चाहा पर वे रुकने वाले कहां थे। देवीपद तिरंगा थामे आगे बढ़ रहे थे कि पुलिस ने उन्हें गोली मार दी। देवीपद को गिरते देख पटना जिले के दशरथा गांव के रामगोविंद सिंह आगे बढ़े और हाथ में तिरंगा ले लिया। देवकी सिंह के पुत्र रामगोविंद सिंह उस समय पुनपुन के हाईस्कूल में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे थे। रामगोविंद सिंह आगे बढ़े पुलिस ने उन्हें भी गोली मारी दी। तिरंगा रामानंद सिन्हा ने थामा और उसे गिरने नहीं दिया। पटना जिले के रहने वाले रामानंद सिंह 10वीं कक्षा के छात्र थे। उनकी शादी हो चुकी थी। रामानंद को गिरता देख सारण जिले के दिघवारा के निवासी राजेन्द्र सिंह ने तिरंगा थामा। राजेन्द्र सिंह आगे बढ़े। गर्दनीबाग उच्च विद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे। उनका भी विवाह हो चुका था। राजेन्द्र सिंह के पिता का शिवनारायण सिंह थे। राजेन्द्र सिंह से तिरंगे को गिरता देख जगपति कुमार ने संभाला। जगपति कुमार औरंगाबाद जिले के रहने वाले थे। जगपति कुमार को एक गोली हाथ में लगी दूसरी गोली छाती मे धंसी और तीसरी गोली जांघ में लगी फिर भी तिरंगा नहीं झुका। अब आगे आये भागलपुर जिले (बांका) के बरापुरा ग्राम के श्री मथुरा प्रसाद का सुपुत्र सतीश झा। वे पटना कालेज में पढ़ते थे। तिरंगा फहराने की कोशिश में इन्हें भी गोली मार दी गई। सतीश भी शहीद हो गए पर झण्डा नहीं गिरने दिया। उसे आगे बढ़कर उठा लिया उमाकान्त ने जो मात्र 15 वर्ष के थे। वे पटना के बी.एन.कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र थे। पुलिस दल ने उन्हें भी गोली का निशाना बनाया, पर उन्होंने गोली लगने पर भी आखिरकार सचिवालय के गुम्बद पर तिरंगा फहरा ही दिया। इसके बाद वे शहीद हो गए। स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद इस स्थान पर शहीद स्मारक का निर्माण हुआ। इसका शिलान्यास स्वतन्त्रता दिवस को बिहार के प्रथम राज्यपाल जयराम दौलत राय के हाथों हुआ। औपचारिक अनावरण देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 1956 में किया।

शहादत दिवस विशेष 11 अगस्त

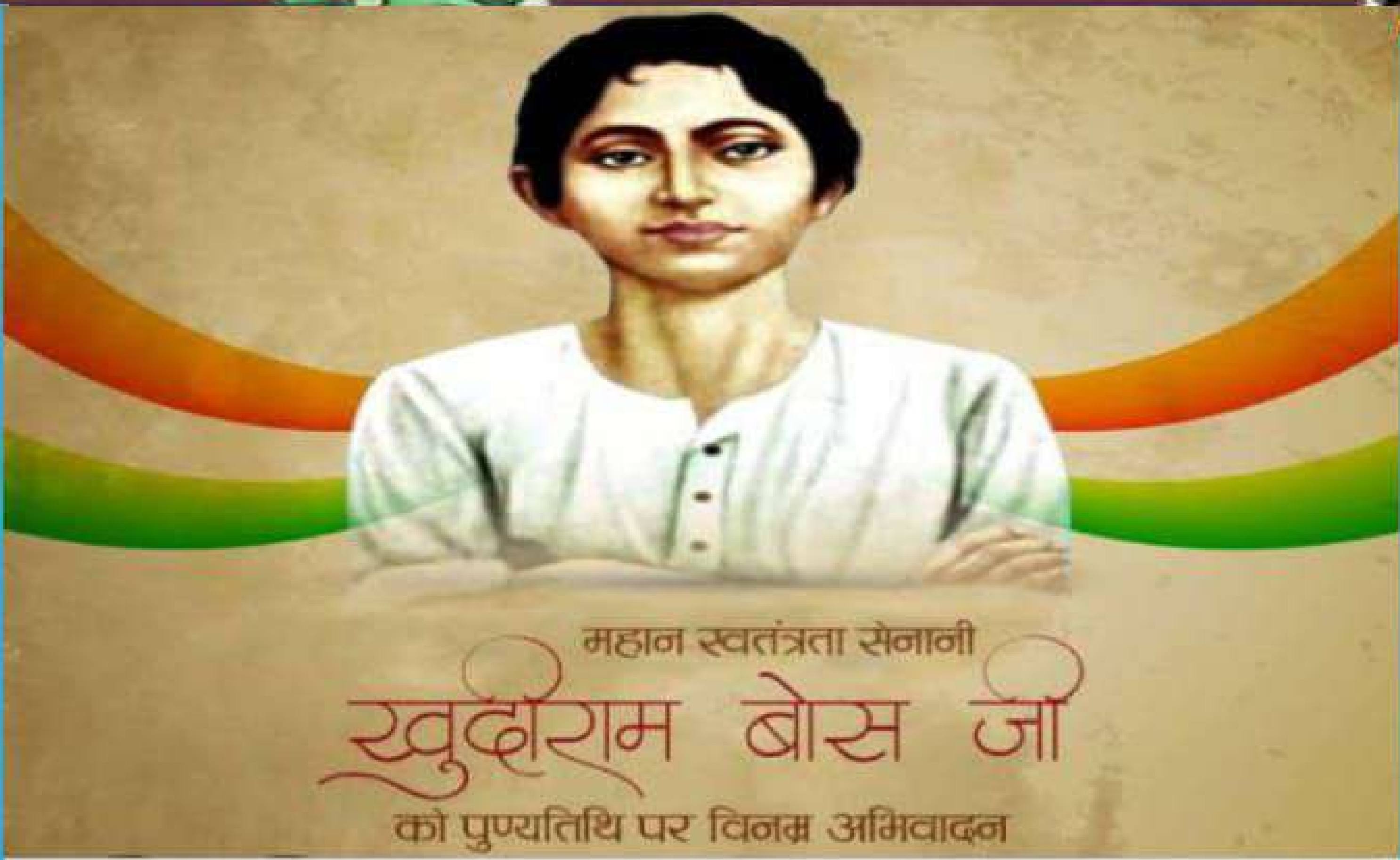

खुदीराम बोस *Khudiram Bose*, जन्म: 3 दिसंबर, 1889; शहादत: 11 अगस्त, 1908) मात्र 19 साल की उम्र में हिन्दुस्तान की आज़ादी के लिये फाँसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारी थे। भारतीय स्वाधीनता संग्राम का इतिहास क्रांतिकारियों के सैकड़ों साहसिक कारनामों से भरा पड़ा है। ऐसे ही क्रांतिकारियों की सूची में एक नाम खुदीराम बोस का है।

TOB

खेल कॉर्नर

एशिया कप 2025 में ग्रुप स्टेज का शेड्यूल

AFG vs HKG 9 सितंबर	**IND vs UAE** 10 सितंबर	**BAN vs HKG** 11 सितंबर
PAK vs OMA 12 सितंबर	**BAN vs SL** 13 सितंबर	**PAK vs IND** 14 सितंबर
UAE vs OMA 15 सितंबर	**SL vs HKG** 15 सितंबर	**BAN vs AFG** 16 सितंबर
PAK vs UAE 17 सितंबर	**SL vs AFG** 18 सितंबर	**IND vs OMA** 19 सितंबर

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 11.08.2025

सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत

सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत **(Social Cognitive Theory)** एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है जो बताता है कि लोग कैसे सीखते हैं और व्यवहार कैसे करते हैं, खासकर सामाजिक संदर्भ में। यह सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि व्यक्ति अपने पर्यावरण, अपने व्यवहार, और अपनी सोच के बीच लगातार बातचीत के माध्यम से सीखते हैं.

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

क्या आपने कभी किसी ऐसे शहर की कल्पना की है, जहाँ सड़कें नहीं बल्कि पानी की नहरें हों जहां ट्रैफिक नहीं, नावों की हलचल हो यही है वेनिस - इटली का जलमहल।

Teachers
Of
Bihar

आओं सीखें

पत्रांक

यह किसी पत्र या पत्राचार को पहचानने के लिए दिया गया क्रमांक होता हैं । इसका प्रयोग आवेदन, निवेदन, उत्तर पत्र, सामान्य पत्राचार आदि में किया जाता हैं । यह सामान्य व आधिकारिक पत्र दोनों में प्रयोग हो सकता है। इसका उद्देश्य आने-जाने वाले पत्रों का रिकॉर्ड रखने व ट्रैक करने के लिए होता हैं । जैसे :-

पत्रांक: 42/2025

पत्र का अंश:

"सेवा में,
श्रीमान मुखिया जी,
विषय: विद्यालय में पौधारोपण हेतु अनुरोध।"

VS

ज्ञापांक

यह किसी आदेश, परिपत्र या सरकारी सूचना पत्र को पहचानने हेतु दिया गया क्रमांक होता हैं । इसका प्रयोग सरकारी आदेश, अधिसूचना, परिपत्र, ज्ञापन आदि में किया जाता हैं । यह केवल आधिकारिक आदेश/निर्देश वाले दस्तावेज़ों में प्रयोग होता हैं । इसका उद्देश्य सरकारी आदेश या सूचना की प्रमाणिकता व संदर्भ के लिए। होता हैं । जैसे :-

ज्ञापांक: ज्ञा./शि.-125/2025

आदेश का अंश:

"निर्देशानुसार सभी विद्यालयों में 15 अगस्त से 30 अगस्त तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया जाए।"

संक्षेप में :-

- पत्रांक = सामान्य पत्राचार का क्रमांक।
- ज्ञापांक = सरकारी आदेश/परिपत्र का क्रमांक।

ToB बूझो तो जानें..

532

ऐसा कौन सा फल है, जिसमें ना ही कोई बीज होता है और ना ही कोई छिलका ..बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

पद्य पंकज

“

ख्वाहिश नहीं मुझे
मशहूर होने की,
आप मुझे पहचानते हो
बस इतना ही किसी है।

मुंशी प्रेमचंद

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

11 अगस्त

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

हिन्दी एवं नेपाली के प्रसिद्ध कवि

गोपाल सिंह नेपाली

की जयंती पर सादर नमन।

11 अगस्त 1911–17 अप्रैल 1963

Madhu priya

www. teachersofbihar.org

भारत की स्वतन्त्रता के लिए फाँसी पर चढ़ने वाले

खुदीराम बोस

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

Madhu priya

/teachersofbihar

Teachers Of Bihar

अच्छी शिक्षा वही है, जो
सवाल पूछने की हिम्मत
पैदा करे, न कि आँख
मूँदकर मान लेने की आदत

~ हरिशंकर परसाई ~

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Celebrating 8 Amazing Years with Our ToB Family on Facebook!

ToB
TEACHERS OF BIHAR

Thank you all for your continuous support and trust. This journey wouldn't have been possible without you.

www.teachersofbihar.org